दलसागर तालाब की दुर्दशा का जिम्मेदार कौन?

सिवनी नवभारत। नगर पालिका परिषद द्वारा नगर को सुंदर स्वच्छ बनाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर दल सागर तालाब के सौंदर्यीकरण का बीड़ा उठाया है रात में यह तालाब मैसुर के वृन्दावन गार्डन की यादौ को तरो ताज करता है क्योंकि इस तालाब में जो फाउंटेन लाईट लगायें गये है वह काफी महंगे हैं। रात में गुजरने वाले लोग इसे

नवागत कलेक्टर से शहर वासियों ने दल सागर सौंदर्यीकरण की मांग की

देख कर यहां के बारे में कुछ अलग कल्पना करते हैं लेकिन वही लोग जब दिन में गुजरते है तो यहां की दुर्दशा को देखकर जनपतिनिधी और जिला प्रशासन के बारे में अपने मन में क्या सोचते होंगे।

चौपाटी व गार्डन भी पूरी तरह उजड़ चुके

वर्तमान में दलसागर तालाब में बनाये जाने वाले ओवरब्रिज का मामला हाईकोर्ट में चल रहा है जिसके कारण यहां विकास कार्य बंद पडे है । यहां बनाई गई चौपाटी भी पूरी तरह चौपट हो गई है। चाहे बच्चों के झूले हो,यदि बुजुर्ग कै बैठने का चबूतरा सभी अपनी दास्तां बयां कर रहे हैं। तालाब के समीप बनाया गया गार्डन भी देखरेख के अभाव में उजड़ चुका हैं। आदिवासियों के पूज्य राजा शंकर शाह दलपत शाह की प्रतिमा की कोई सुध लेने वाला भी कोई नही है। उम्मीद है कि नवागत कलेक्टर नेहा मीणा इस पर अवशय ध्यान देंगी ।

एक नजर में

पाली मैदान में अब ओपन जिम, सद्भाव ग्रुप ने की थी मांग

सिवनी। शहर के पॉलिटेक्निक मैदान पर अब ओपन जिम लगाई जाएगी, जिसका फायदा सभी वर्ग को मिलेगा। सद्भाव ग्रुप की इस मांग पर नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोदिया ने घोषणा की है। पॉलिटेक्निक ग्राउंड में ओपन जिम के लिए सद्भाव ग्रुप के प्रतिनिधि मंडल ने नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया से मुलाकात कर उन्हें ओपन जिम लगाने हेतु हस्ताक्षर युक्त आवेदन दिया गया। अध्यक्ष ने आश्वासन दिया था की जिम हम शीघ्र अतिशीघ्र लगाने का प्रयास करेंगे। पॉलिटेक्निक मैदान में आयोजित अंदर-19 लेदर बाल टूर्नामेंट में पधारे नपा अध्यक्ष ने ओपन जिम लगाने की घोषणा कर दी है, इसके लिए उन्होंने नपा अधिकारियों को प्राक्कलन तैयार करने का निर्देश दिया है। जिससे अब ओपन जिम लगने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

टीईटी के विरोध में सड़क पर उतरे शिक्षक

छपारा। सिवनी जिले के छपारा नगर में आज टीईटी यानी शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में शिक्षक सड़कों पर उतरे...जहां उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अ्रअ्र परीक्षा को रद्द करने की मांग की। शिक्षकों ने शहर की सड़कों पर उतरकर पैदल रैली निकालकर तहसील कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने तहसीलदार को ज्ञापन दिया। साथ ही यह परीक्षा रद्द करने की मांग की। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में यह रैली निकल गई जिसमें शिक्षकों ने इस परीक्षा को गलत ठहराया।

अंबेडकर जयंती समारोह में शामिल होंगे प्रभारी मंत्री

सिवनी। मध्य प्रदेश शासन के राजस्व मंत्री एवं सिवनी जिले के प्रभारी मंत्री श्री करण सिंह वर्मा मंगलवार 14 अप्रैल को सिवनी जिले के एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। अपने प्रवास के दौरान मंत्री श्री वर्मा संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। प्राप्त अधिकृत कार्यक्रम अनुसार प्रभारी मंत्री श्री वर्मा 14 अप्रैल को प्रात: 06:20 बजे पातालकोट एक्सप्रेस द्वारा सिवनी पहुँचेंगे। स्थानीय विश्राम गृह में कुछ समय रुकने के पश्चात, वे दोपहर 12.00 बजे शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिवनी के परिसर में आयोजित डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह में भाग लेंगे।कार्यक्रम में सहभागिता के उपरांत, मंत्री श्री वर्मा नरसिंहपुर जिले के लिए प्रस्थान करेंगे।

टीन शेड के पुस्तकालय में अध्ययन करते हैं विधार्थी

सिवनी नवभारत। नगर पालिका परिषद एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों से प्रारम्भ की गयी। जिला पुस्तकालय की बूंद लेने वाला कोई नहीं है।इस पुस्तकालय में पुसतके तो है लेकिन विधाथियो को अधययन के लिए जो शान्त वातावरण चाहिए वह नहीं मिल पा रहा है।

इस पुस्तकालय में छत के नाम पर टीन शेड है जो दिन में तपता है ऐसे में किसी विषय ?की तैयारी यहां बैठाकर करना किसी तपस्या से कम नहींहै। इतना ही नहीं अब तो आलम यह है कि यहां से सामने से गुजरने वाले नाले की सफाई तक नहीं होती है नाला बज बज रहा

पुस्तकालय के सामने बजबजा रहा नाला

है एक ओर नगर पालिका परिषद सिवनी को नम्बर बन बनाने के लिए सपना देख रहा है वही सफाई की दुर्दशा को देख कर शंका पैदा होती हैं। इस लाइब्रेरी में प्रतिदिन सैकड़ो बच्चे अध्यापन के लिए आते हैं कितनी लंबी दूरी तय कर यहा पहुचने वाले इन युवाओं कोदेख कर खुशी होती है कि ये बच्चे कल का भविष्य होगें लेकिन सुविधा के अभाव में इनके भविष्य पर सवाल उठ रहे है।

सहकारी समितियों में प्रशासक की भूमिका पर उठते सवाल

धारनाकला नवभारत। किसानो से जुडी सहकारी समितियो मे लम्बे अर्से से संचालक सदस्यो के चुनाव न होने से विगत अनेक वर्षो से समिति के संचालन का दायित्व प्रशासक के हाथो मे है किन्तु प्रशासक की कार्य प्रणाली बरघाट विकास खंड की अनेक समितियो मे चर्चा का विषय बनी हुई है क्योकि लम्बे अर्से से दर्जनो समितियो का संचालन अपने हाथो मे लिये बैठे प्रशासक जी अपनी हिटलर शाही के कारण सुर्खिया बटोर रहे है

दैनिक वेतन भोगियों पर की जा रही मेहरबानी

उल्लेखनीय है की बरघाट विकास खंड की अनेक समितियो मे नियम विरूद्ध तरीके से 89 दिनो के लिये दैनिक वेतन भोगी के रूप मे नियुक्तिया हुई है और ऐसे ही सहकारी समिति मे नियुक्ति वाले कर्मचारियो पर प्रशासक खुलकर मेहरबानी बनाते हुए समिति के कार्य सौपे जा रहे है तथा जो नियमत: समिति मे कार्यरत है उन्हे नजर अंदाज कर अपनी मनमानी कर रहे है

अनुकंपा नियुक्ति में लगे कर्मचारी की शिकायत को किया दरकिनार

उल्लेखनीय है की सहकारी समिति धारनाकला मे पिता की मृत्यु तथा पति की मृत्यु के बाद दो नियुक्ति हुई है जिन्हे समिति मे अति अल्प वेतन देकर काम तो कराया जा रहा है किन्तु जब इनके द्वारा जिला कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर विक्रेता पद की मांग की गई थी जिसकी जांच प्रशासक द्वारा करते हुए उल्लेख किया गया की समिति के प्रशासक को सहकारी समिति सेवा नियम के अन्तर्गत किसी भी दैनिक वेतन भोगी को रेग्युलर करने एवं पदोन्नत करने का अधिकार नही है इस लिये आवेदन को अस्वीकृत किया जाता है वही दूसरी तरफ प्रशासक के द्वारा इसी सहकारी समिति मे 89 दिनो की भर्ती के रूप मे लगे दैनिक वेतन भोगी को एक नही अपितु दो दो राशन दुकानो का विक्रेता भी बनाया गया है तथा सहकारी समिति धारनाकला से जुडी राशन दुकानो का संचालन भी दैनिक वेतन भोगी ही आज की स्थिति मे कर रहे है यही नही यह तो रही राशन दुकान के विक्रेता पद की किन्तु इन्ही के कार्य काल तथा समिति के संचालन मे धान खरीदी जैसे महत्वपूर्ण कार्य मे भी धान खरीदी प्रभारी दैनिक वेतन भोगी को ही नियुक्त किया गया था जो प्रशासक की लम्बी और अच्छी खासी सेवा के रूप मे लगा रहा फिर दोहरी नीति अपनाकर प्रशासक सहकारी नियमो को ताक पर रखकर किसानो से जुडी समातियो पर अपनी मनमानी करते नजर आ रहे है।

लालपुर में भी बने हुऐ हैं चर्चाओं में

यहा यह भी उल्लेखनीय है की धारनाकला ब्रांच से जुडी सहकारी समिति लालपुर की जांच भी प्रशासक के द्वारा एक वर्ष से की जा रही है जांच करते हुए जरूर इनके द्वारा समिति के दो कर्मचारियो को जरूर सस्पेंड किया गया है किन्तु इस समिति मे भी दैनिक वेतन भोगी के रूप मे काम कर रहे आपरेटरो को दोहरा प्रभार देते हुऐ राशन दुकान का विक्रेता बनाया गया है फिर ऐसी स्थिति मे प्रशासक महोदय दोहरा मापदंड अपनाकर सहकारी नियमो की खुलेआम बखिया उधेडते नजर आ रहे है यही सहकारी समातियो मे दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी की नियुक्ति तो दूर की बात पिता के जिन्दा रहते भी अनुकंपा नियुक्ति हो जाती है और यह सब कुछ सहकारिता के नाक के नीचे होता है।

वेतन विसंगति भी आई सामने

सूत्र से यह भी जानकारी प्राप्त हुई है प्रशासक जी वेतन निर्धारण मे भी अपनी अहम भूमिका अदा कर रहे है जिस कर्मचारी के द्वारा सेवा की जाये उसके वेतन मे बढोतरी हो जाती है जबकि लम्बे समय से कलेक्टर दर पर सहकारी समिति अपने वेतन की मांग कर रहे है किन्तु प्रशासक की मेहरबानी कुछ ही लोगो पर बनी हुई है जिसका रिकार्ड भी समिति मे मौजूद है जबकि सहकारी समिति मे राशन विक्रेता को शासन के मापदंड के आधार पर तीन हजार अतिरिक्त देने के नियम है किन्तु इस पर अमल प्रशासक जी न करते हुऐ अपने खास और सेवा करने वालो पर अपनी मेहरबानी बनाये हुऐ जिले की संवेदन शील जिला कलेक्टर से अपेक्षा है शीघ्र इस ओर ध्यान दे ।

प्रशिक्षण संस्थान में हुई पेड़ों की कटाई मामले में प्राचार्य ने लिखा एसडीएम को पत्र

केवलारी नवभारत। विगत दिनों केवलारी के शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट में पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया था जिसमें संस्थान पर आरोप था कि प्राचार्य पी.एस.ठाकुर के निर्देश में पेड़ों को बेरहमी से काटा गया और सबूत मिटाने का प्रयास किया गया जिसके बाद स्थनीय जागरूक नागरिको ने वन विभाग और केवलारी एस डी एम से भी निष्पक्ष जाँच हेतु आवेदन किया गया।

दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाये -पीएस ठाकुर,प्राचार्य

वहीं इस पुरे घटनाक्रम के बाद शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य पी एस ठाकुर का बयान भी सामने आया। उन्होंने बताया कि संस्थान परिसर में बहुत सारे वृक्ष

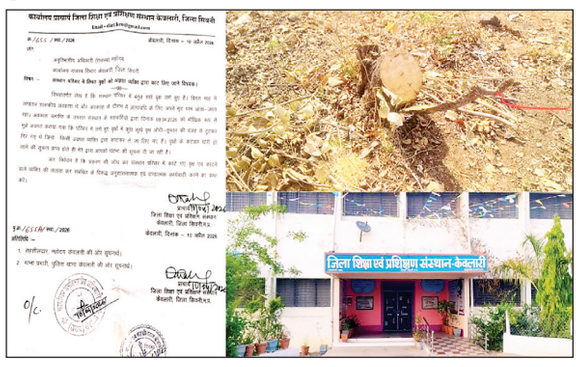

लगे हुए है जिनमे कुछ वृक्ष विगत वर्ष आये आंधी तूफ़ान के कारण गिरे हुए थे वही कुछ वृक्ष सूखे हुए थे जिन्हे कटवाने हेतु वन विभाग को पत्र लिखा गया था इसी दौरान विगत माह में लगातार शासकीय अवकाश होने और अवकाश के दौरान प्राचार्य अल्पावधि के लिए अपने गृह ग्राम जाना बताया । अवकाश समाप्ति के उपरांतजब वे संस्थान पहुंचे तो उनके सहकर्मियों द्वारा दिनांक 08.04.2026 को मौखिक रूप से अवगत कराया गया कि परिसर में लगे हुए वृक्षों में कुछ सूखे वृक्ष आँधी-तूफान की वजह से टूटकर गिर गए थे जिन्हे किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा काटकर ले जा लिए गए हैं। वृक्षों के काटकर चोरी हो जाने की सूचना प्राप्त होते ही उनके द्वारा केवलारी एसडीएम को घटना की सूचना दी जा चुकी है साथ ही इस पुरे प्रकरण की जाँच कर संस्थान परिसर में काटे गए वृक्ष एवं काटने वाले व्यक्ति की तलाश कर संबंधित के विरूद्ध अनुशासनात्मक एवं दण्डात्मक कार्यवाही करने हेतु पत्र लिखा गया है वही प्राचार्य ने इस पुरे मामले में उनकी संलिप्पता से इंकार करते हुए दोषियों पर कार्यवाही की मांग की है परन्तु सवाल यह उठता है कि आखिर डाइट केम्पस के अंदर किसने पेड़ों कि कटाई कि? वहीं अब देखना होगा कि आरोप प्रत्यारोप के बीच प्रशासन इस पूरे मामले पर क्या कार्रवाई करती है।

कोहका फाउंडेशन ने अन्नदान के 3 वर्ष पूरे 2.2 लाख से अधिक लोगों को कराया भोजन

सिवनी नवभारत। कोहका फाउंडेशन ने अपने अन्न दान अभियान के सफलतापूर्वक तीन वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह पहल सिवनी जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ रहने वाले परिजनों (केयरटेकर) को निश्शुल्क भोजन उपलब्ध कराती है। यह अभियान एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखी जरूरत को पूरा करता है—उन लोगों के लिए भोजन सुनिश्चित करना, जो अपने प्रियजनों की देखभाल में स्वयं खाना तक भूल जाते हैं। शुरुआत से अब तक इस पहल के माध्यम से 2,20,000 से अधिक भोजन वितरित किए जा चुके हैं, जिससे कठिन समय में परिवारों को न केवल पोषण बल्कि भावनात्मक सहारा भी मिला है। लाभार्थियों में अधिकांश आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से हैं, जिनके लिए इलाज के साथ दैनिक खर्चों को संभालना चुनौतीपूर्ण होता है।

संस्थापक एवं ट्रस्टी संजय नागर ने कहा, जब कोई प्रियजन अस्पताल में भर्ती होता है, तो देखभाल करने वाले अक्सर खुद खाना खाना भूल जाते हैं। अन्न दान के माध्यम से हमारा प्रयास है कि किसी भी केयरटेकर को भूखा न रहना पड़े। एक साधारण भोजन भी कठिन समय में सहारा और शक्ति दे सकता है। उन्होंने बताया कि यह पहल दानदाताओं, स्वयंसेवकों और शुभचिंतकों के सहयोग से निरंतर संचालित हो रही है। फाउंडेशन का लक्ष्य भविष्य में इस सेवा का विस्तार कर अधिक जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना है।

ढीमर सकल समाज की नई कार्यकारिणी का गठन, पदाधिकारियों को बधाई

सिवनी नवभारत। ढीमर सकल समाज पंचायत में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इसमें समाज के विभिन्न पदों पर नव निर्वाचित एवं मनोनीत पदाधिकारियों की घोषणा की गई, जिसके बाद समाजजनों में उत्साह का माहौल देखा गया।

घोषित पदाधिकारियों में गंगाचरण कश्यप को अध्यक्ष (सरपंच) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं संजू/कोमल कश्यप को उपाध्यक्ष (उपसरपंच) तथा दिनेश कश्यप को सचिव बनाया गया है। इसके अलावा राजा/भगवानदास कश्यप को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

पंच एवं सदस्यों की सूची में राकेश/ फूलचंद कश्यप, शत्रुघ्न/ विष्णू कश्यप, किशोर/कंधी कश्यप, रामकुमार/पुसू कश्यप, नरेश/ कंधी कश्यप, राजू/रमेश कश्यप, अनिल/नारायण कश्यप, सखाराम/ हरि कश्यप, संदीप/ रामदयाल, पवन/शिवराम कश्यप एवं बलराम/कैलाश कश्यप को शामिल किया गया है। संरक्षक मंडल में अनिल कश्यप, जमनादास कश्यप, आशुतोष (रिंकू) नन्हेलाल, मनोज कश्यप, राजेश मधु, संतराम एवं कन्हैया कश्यप को जिम्मेदारी दी गई है। मीडिया प्रभारी के रूप में विशाल कश्यप एवं राज कश्यप को नियुक्त किया गया है। समाज के वरिष्ठजनों एवं सदस्यों ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि नई कार्यकारिणी समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाते हुए संगठन को और मजबूत बनाएगी।

धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, हुआ संगीतमय सुंदर कांड

सिवनी नवभारत। नगर के हाउसिंग बोर्ड कालोनी छिंदवाड़ा रोड पर स्थित राजश्री पैलेस में नरेंद्र टांग द्वारा श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के चौथे दिन शनिवार को कृष्ण जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया गया।

कथा स्थल को फूलों, झालरों और रोशनी से सजाया गया था। कथा व्यास पंडित प्रेमकृष्ण शास्त्री जी ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि जब अधर्म और अन्याय पृथ्वी पर बढ़ गया, तब भगवान विष्णु ने देवकी और वासुदेव के घर आठवें पुत्र के रूप में जन्म लेकर धर्म की पुनर्स्थापना की।

उन्होंने बताया कि कारागार में भगवान का अवतरण केवल एक दिव्य घटना नहीं बल्कि यह संदेश है कि जब भी मानवता संकट में होती है, तब ईश्वर स्वयं उसे मुक्त करने आते हैं। कथा के दौरान जैसे ही जन्म प्रसंग आया, पूरा पंडाल

नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से गूंज उठा। भक्तों ने पुष्पवर्षा कर उत्सव का स्वागत किया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की झाँकी अत्यंत मनमोहक रही। झूले में लड्डूगोपाल का आकर्षक श्रृंगार किया गया था। महिलाएँ और बच्चे भक्ति गीतों पर नृत्य करते नजर आए। भजन-कीर्तन के साथ भक्तों ने रासलीला के प्रसंगों का आनंद लिया। इस दौरान कथा स्थल का वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक और आनंदमय हो गया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक आरती की गई और दीप प्रज्वलन के साथ भक्तों ने प्रभु से लोककल्याण की कामना की। चौथे दिन के इस जन्मोत्सव समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, महिलाएँ, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए।

साथ ही राजनांदगांव छत्तीसगढ़ से पधारे गणेश मिश्रा जी ने बताया कि लगातार 11 वर्षों से उनके द्वारा संगीतमय सुंदरकांड के महत्व को समझाया जीवन में सुंदरकांड को कैसे जीवन में लाया जा सकता हैं। भगवान राम हनुमान की कृपापात्र बन सकते है। आयोजक को आशीर्वचन के साथ ही बताया कि आज शनिवार का दिन हे ओर आज सुंदरकांड का 2233 पाठ हो रहा है। सिवनी में । साथ ही उनके सुपुत्र निखिल मिश्रा द्वारा कोरस के साथ ही बड़ी सुंदर धार्मिक भक्ति गीत से ओतप्रोत किया।

कार्यशाला | केवलारी श्रमजीवी पत्रकार संघ की कार्यशाला संपन्न, मनोनीत पार्षदों का हुआ सम्मान

पत्रकारिता के गिरते स्तर को बचाने हुआ मंथन, होना होगा एकजुट

केवलारी नवभारत। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ब्लॉक इकाई केवलारी की महत्वपूर्ण कार्यशाला एवं बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पत्रकारिता के गिरते स्तर को बचाने, उसकी गरिमा अक्षुण्ण रखने और वर्तमान चुनौतियों पर गहन मंथन किया गया। साथ ही, संगठन के उन सदस्यों को सम्मानित किया गया जिन्हें शासन द्वारा पार्षद (एल्डरमैन) मनोनीत किया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदोरिया की मंशा और संभागीय अध्यक्ष मनीष जैन के निर्देशन में आयोजित इस बैठक में जिलाध्यक्ष नंदन

श्रीवात्री मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नए और पुराने सदस्यों के बीच समन्वय स्थापित करना था। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की गरिमा को हर हाल में बनाए रखना है। पत्रकारिता के क्षेत्र में आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों का सामना एकजुट होकर करना है। कनिष्ठ पत्रकारों को हमेशा अपने वरिष्ठों के मार्गदर्शन में कार्य करना चाहिए ताकि समाज में पत्रकारिता की छवि धूमिल न हो।

पार्षद नियुक्त होने पर सम्मान

मध्य प्रदेश शासन द्वारा केवलारी के दो सक्रिय सदस्यों सुधीर पाण्डे एवं राजकुमार बघेल को एल्डरमैन (पार्षद) पद पर नियुक्त किया गया है। इस उपलब्धि पर संघ के पदाधिकारियों ने दोनों का पुष्पहारों से आत्मीय स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। बैठक के दौरान संघ के सदस्यों को उनके नवीन परिचय पत्र वितरित किए गए। वरिष्ठ पत्रकारों ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि पत्रकारिता केवल सूचना देना नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी है। यदि किसी पत्रकार को कार्य के दौरान कोई परेशानी आती है, तो संगठन सदैव उनके साथ खड़ा है।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में जिला महासचिव कन्हैया प्रजापति, पं. दिलीप दुबे, जिला उपाध्यक्ष सुधीर पांडे, राकेश आत्मपूज्य, वरिष्ठ पत्रकार रमाशंकर महोबिया, राजू मेहरा, संजय उइके, और सलाहकार पवन यादव सिवनी ब्लॉक अध्यक्ष संजीव क्रीडिया, आगा खान, नीलेश अवधिया, राजकुमार बघेल, महेन्द्र यादव, पं. रामनरेश दुबे, चिंटू कौशल, प्रवीण दुबे, अशोक बंदेवार, सियाराम ठाकुर, सदर खान, राजदीप राहंगडाले, मनोज गुप्ता, पवन सिंह ठाकुर, रामकुमार ठाकुर (पलारी), डॉ. वेद सिंह ठाकुर, पवन बघेल, धरमचंद जैन, राहुल श्रीवास्तव, प्रीतम पाल, रवि शंकर अहिरवार, जमुना अहिरवार और बॉबी खान सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी मौजूद रहे।

कटनी के परिवहन अधिकारी पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र का आरोप

पहले भी ईओडब्ल्यू कर चुकी है कार्यवाही, जांच की मांग तेज

सिवनी/कटनी नवभारत। कटनी जिले में पदस्थ जिला परिवहन अधिकारी संतोष पॉल के खिलाफ फर्जी जाति प्रमाण पत्र के उपयोग का गंभीर आरोप सामने आया है। इस संबंध में सिवनी निवासी ओ.पी. दुबे द्वारा मुख्यमंत्री को लिखित शिकायत भेजकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संबंधित अधिकारी ने अनुसूचित जनजाति (आदिवासी) वर्ग का फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर शासकीय सेवा प्राप्त की है। जबकि वे ईसाई धर्म से संबंधित बताए गए हैं, जो अनुसूचित जनजाति वर्ग के अंतर्गत नहीं आता। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस प्रकार की नियुक्ति से शासन को वेतन के रूप में आर्थिक नुकसान हो रहा है।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि अधिकारी के खिलाफ पहले भी संदेहास्पद गतिविधियों को लेकर कार्रवाई हो चुकी है। जब वे जबलपुर में पदस्थ थे, तब आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) द्वारा उनके निवास पर छापेमारी की गई थी, जिसमें आय से अधिक संपत्ति मिलने की बात सामने आई थी।

मामले को लेकर शिकायतकर्ता ने संबंधित अधिकारी के विरुद्ध जांच कर कठोर कार्रवाई, सेवा से बर्खास्तगी एवं एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया है कि हाल ही में ग्वालियर और सिवनी जिलों में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है, ऐसे में इस प्रकरण की भी गंभीरता से जांच की जानी चाहिए।

उच्चाधिकारियों को भेजी शिकायत

इस संबंध में शिकायत की प्रतिलिपि परिवहन मंत्री, प्रमुख सचिव परिवहन, परिवहन आयुक्त ग्वालियर, लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक जबलपुर, ईओडब्ल्यू जबलपुर एवं कलेक्टर कटनी को भी भेजी गई है, ताकि मामले में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। फिलहाल संबंधित अधिकारी की ओर से इस आरोप पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।